P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-4* ISSUE-8* April- 2017
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

विभिन्न व्यक्तियों की आयु के अनुसार रंग प्राथमिकता

शैलजा राठौर
शोध छात्रा,
गृह विज्ञान विभाग,
कमलाराजा कन्या
स्वा. महाविद्यालय
ग्वालियर, म.प्र.

सुनीता शर्मा
सहायक प्राध्यापक,
गृह विज्ञान विभाग,
कमलाराजा कन्या
स्वा. महाविद्यालय,
ग्वालियर, म.प्र.

ज्योति प्रसाद
सेवा निवृत प्राचार्य,
गृह विज्ञान विभाग,
विजया राजे कन्या मुरार
कॉलेज, ग्वालियर, म.प्र.

सारांश

बदलते भौतिक परिवेश में सभी आयु वर्ग के व्यक्ति भिन्न–भिन्न रंगों को प्राथमिकता देते है यह बात सार्थक सिद्ध होती है कि आयु, रंग प्राथमिकता को प्रभावित करने वाला एक मुख्य कारक है।

तालिका अवलोकन से स्पष्ट होता है कि सभी परिकल्पनायें सार्थक सिद्ध हुई है और शोधार्थी द्वारा किया गया प्रयास सफल सिद्ध हुआ है। जिसमें कि परिकल्पनायें निष्कर्ष के सापेक्ष है। तथा अपनी शोध के आधार पर शोधार्थी पुष्टि करती है की रंग प्राथमिकता को प्रभावित करने वाला मुख्य कारक है आयु।

मुख्य शब्द : परिकल्पनायें, आँखे, प्राथमिकता

प्रस्तावना

मनुष्य के जीवन में प्रकृति का प्रमुख स्थान है और प्रकृति ने हमें प्रदान किये है खूबसूरत रंग, ये रंग हमें सम्पूर्णता प्रदान करते है किसी वस्तु को देखने का माध्यम हमारी आँखे है और आँखों का माध्यम है रंग अगर रंग न होता तो हमारा जीवन, ये धरती और आसमान सब सूना होता किसी की पहचान ही नहीं की जा सकती थी।

यही कारण है कि आज जीवन रंगों के बिना अधूरा है ये अधूरापन पूरा करने के लिये प्रकृति ने हमें रंग प्रदान किये है और कुछ रंगो का हमने अविष्का किया है। इन दोनो को मिला कर हम अपने आस पास की दुनिया और घर को सजाते है।

मनुष्य ने रंगो की उत्पत्ति एवं उनके नियम को वैज्ञानिक डंग से सिद्ध किया हमारे हर कार्य में रंगो का निष्पादन आवश्यक हो गया है चाहे हम कार्य के किसी भी क्षेत्र में संबंध रखते हों प्रत्येक व्यक्ति चाहे वो बच्चा हो छोटा हो या बूढ़ा रंग से सभी प्रेम करते है हम सही रंग के चुनाव के लिये बचपन से ही जागरूकता उतपन्न करते है जैसे एक लाल खिलौना बच्चे के लिये आकर्षक का केन्द्र होता है उसी प्रकार जब हम वस्त्रों का चुनाव करते तब हम रंगो के बारे में काफी सोच समझ कर चुनाव करते है साथ ही हम चिन्तित भी होते है क्यों कि ये रंग ही हमारे व्यक्तित्व को दूसरों के सामने प्रदर्शित करते है।

रंग का भौतिक पहलू

हमने देखा है कि विभिन्न वस्तुयें एक प्रभाव उत्पन्न करती है, जब प्रकाश की तरंगें उस पर पड़ती है इनमें से वस्तु के प्रकार व रचना के अनुसार कुछ किरणें परावर्तित हो जाती है, कुछ आंशिक रूप से अवशोषित हो जाती है, कुछ किरणें वस्तुओं द्वारा प्रेषित हो जाती है। परावर्तित एवं प्रेषित किरणें, सीधे पड़ने वाले किरणों से भिन्न होती है वस्तु के स्वयं का रंग भी अन्य रंगो से प्रभावित होता है। रंगीन वस्तुए अपना शुद्ध रंग, दृष्टिगत सफेद रंग से अवशोषित करती है। जब प्रकाश किसी वस्तु पर पड़ता है तो, वस्तु अपना रंग, सफेद रंग के अवशोषण रहित क्षेत्र से ग्रहण करती है। सफेद प्रकाश के इन अवशोषित व अवशोषण रहित खेत्रों को आपस में एक दूसरे का अनुपूरक कहा जाता है। यह हमेशा रंग युग्मों के रूप में सक्रिय रहते है। इनकी व्यापक छाप हमें प्राकृतिक रूपों–जल, इन्द्र धनुष, जीव–जन्तुओं, पेड़–पौधौ आदि पर सूर्य का प्रकाश पड़ने पर स्पष्ट दिखाई देती है।

रंग प्राथमिकता में भिन्नता का कारण

प्रत्येक मनुष्य की रंग प्राथमिकता में भिन्नता पाई जाती है जिसके कारण अलग अलग हो सकते है शोधार्थी का मुख्य विषय रंग प्राथमिकता में आयु प्रभाव का अध्ययन है।

अतः आयु एक प्रमुख कारक है रंग प्राथमिकता में भिन्नता का।

उम्र दर उम्र बदलती पसंद मनुष्य के बदलते स्वभाव के कारण होती है और यह स्वभाव उम्र के साथ बदलता रहता है। जैसे कि हम जानते है बच्चे

गहरे रंगों के प्रति आकर्षित होते है तथा किशोर उनके गहरे और हल्के दोनो रंग पसंद करते है, जब कि प्रौढ़ केवल हल्के रंग पसंद करते है

अतः इनकी रंग प्राथमिकता बदलने का कारण उनकी अवस्था में भिन्नता आना है।

उद्देश्य

विभिन्न आयु के व्यक्तियों की रंग प्राथमिकता का अध्ययन करना।

1. विभिन्न बाल्यावस्था के बालक बालिकाओं की रंग प्राथमिकता का अध्ययन करना।
2. विभिन्न किशोरावस्था के किशोर किशोरिओं की रंग प्राथमिक्ता का अध्ययन करना।
3. विभिन्न प्रौढ़ावस्था के व्यक्तिओं की रंग प्राथमिक्ता का अध्ययन करना।

शोध पद्धति

शोध की प्रक्रिया क्रमबद्ध पद्धतियों से होकर गुजरती है जिसमें किसी एक उद्देश्य को लेकर विभिन्न तथ्यों का विश्लेषण कर वैज्ञानिक दृष्टिकोण से हल निकाला जाता है।

सामाजिक घटनाओं व समस्याओं के संबंध में नवीन ज्ञान की प्राप्ति के लिए व्यवस्थित अनुसंधान को हम सामाजिक शोध कहते है।

परिकल्पनायें

विभिन्न आयु के व्यक्तियों की रंग प्राथमिकता में सार्थक अंतर पाया जायेगा।

1. विभिन्न बाल्यावस्था के बालक बालिकाओं की रंग प्राथमिकता में सार्थक अंतर पाया जायेगा।
2. विभिन्न किशोरावस्था के किशोर किशोरियों की रंग प्राथमिकता में सार्थक अंतर पाया जायेगा।
3. विभिन्न प्रौढ़ावस्था के व्यक्तिओं की रंग प्राथमिकता की रंग प्राथमिकता में सार्थक अंतर पाया जायेगा।

शोध विधि

प्रस्तुत शोध प्रबंध के विषय का चयन के पश्चात् शोधार्थी आवश्यक समंको तथा तथ्यो के संकलन की दृष्टि से विभिन्न महाविद्यालयों में स्थापित पुस्तकालय, विश्वविद्यालयो के पुस्तकालय तथा अन्य संस्थाओं के पुस्तकालयो से सम्पर्क स्थापित कर अपने शोध प्रबंध के उद्देश्यो से अवगत कराया तथा उन्हें विषय संबंधित जानकारी देने के लिये तैयार किया इसके अन्तर्गत रंग प्राथमिकता पर आयु के प्रभाव को अपने विषय से संबंधित साक्षात्कार व मुंशेल प्रणाली पर आधारित प्राथमिक व द्वितीयक रंग चार्ट में से अपना पसंदीदा रंग पसंद करने को कहा। इसके अनुसार शोधार्थी अपने विषय से संबंधित तथ्य संकलित किये।

तथ्य संकलन

सामाजिक शोध एक एसा प्रयास है जिसके द्वारा किसी विशेष लक्ष्य को सामने रख कर नये सिद्धान्त का निर्माण किया जाता है। अथवा वर्तमान दशाओं के अनतर्गत पुराने सिद्धान्तों की सत्यता को समझने का प्रयत्न किया जाता है।

शोधार्थी द्वारा विकसित की गई परिकल्पनाओं की निम्न तालिकायें प्रस्तुत की गई है।

तालिका–1

विभिन्न व्यक्तियों की आयु के अनुसार लाल रंग मे प्राथमिकता

आयु	व्यक्तियो की संख्या	प्रतिशत	कुल
बाल्यावस्था	42	42%	100
किशोरावस्था	33	33%	100
प्रौढ़ावस्था	15	15%	100
कुल			**300**

तालिका–2

विभिन्न व्यक्तियों की आयु के अनुसार पीले रंग मे प्राथमिकता

आयु	व्यक्तियो की संख्या	प्रतिशत	कुल
बाल्यावस्था	13	13%	100
किशोरावस्था	17	17%	100
प्रौढ़ावस्था	32	32%	100
कुल			**300**

तालिका–3

विभिन्न व्यक्तियों की आयु के अनुसार नीले रंग मे प्राथमिकता

आयु	व्यक्तियो की संख्या	प्रतिशत	कुल
बाल्यावस्था	17	17%	100
किशोरावस्था	07	07%	100
प्रौढ़ावस्था	11	11%	100
कुल			**300**

तालिका–4

विभिन्न व्यक्तियों की आयु के अनुसार हरे रंग मे प्राथमिकता

आयु	व्यक्तियो की संख्या	प्रतिशत	कुल
बाल्यावस्था	07	07%	100
किशोरावस्था	05	05%	100
प्रौढ़ावस्था	07	07%	100
कुल			**300**

तालिका–5

विभिन्न व्यक्तियों की आयु के अनुसार नारंगी रंग मे प्राथमिकता

आयु	व्यक्तियो की संख्या	प्रतिशत	कुल
बाल्यावस्था	07	07%	100
किशोरावस्था	07	07%	100
प्रौढ़ावस्था	19	19%	100
कुल			**300**

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-4* ISSUE-8* April- 2017
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

तालिका–6

विभिन्न व्यक्तियों की आयु के अनुसार बैगनी रंग मे प्राथमिकता

आयु	व्यक्तियो की संख्या	प्रतिशत	कुल
बाल्यावस्था	07	07%	100
किशोरावस्था	07	07%	100
प्रौढ़ावस्था	19	19%	100
कुल			300

तथ्यों का विश्लेषण

शोधार्थी द्वारा विकसित की गई परिकल्पनाओं में पहली परिकल्पना हैं कि विभिन्न आयु के व्यक्तियों की रंग प्राथमिकता में सार्थक अंतर पाया जायेगा, जो कि सार्थक सिद्ध हुई है शोधार्थी ने प्राथमिक व द्वितियक दोनो रंगो को विषय में शामिल किया है जिसके अनुसार लाल, पीला, नीला, हरा, नारंगी, और बैगनी छः रंगों को प्रमुखता दी गई है।

प्रथम तालिका में विभिन्न आयु के व्यक्तियों की लाल रंग में प्राथमिकता को दर्शाया गया है।

जिसमें बाल्यावस्था में लाल रंग को सर्वाधिक प्राथमिकता दी गई उसके बाद किशोरावस्था में, सबसे कम प्रौढ़ावस्था में प्राथमिकता दी गई

अतः तालिका अवलोकन से स्पष्ट होता है कि वाल्यावस्था में लाल रंग सर्वाधिक प्रसंद किया जाता है, उसके बाद नीला, पीला नारंगी, बैगनी, तथा सबसे कम हरा रंग पसंद किया गया।

इसी प्रकार किशेरावस्था में भी सर्वाधिक लाल रंग पसंद किया गया। उसके बाद नारंगी, पीला, बैगनी, हरा, और नीला रंग पसंद किया गया।

इसी प्रकार प्रौढ़ावस्था में सर्वाधिक पीला रंग पसंद किया फिर बैगनी, लाल, नारंगी, नीला, और सबसे कत हरे रंग को प्राथमिकता दी गई।

निष्कर्ष

तालिका अवलोकन से एवं तथ्य संकलन से यह स्पष्ट होता है कि गहरे रंग बच्चों की प्रमुख पसंद होते है इतना ही नहीं उम्र बढ़ने के साथ–साथ रंग प्राथमिकता में भिन्नता आती जाती है। किशोरावस्था में हल्के व गहरे दोनो रंग पसंद किये जाते है। जबकि प्रौढ़ावस्था में गहरे रंग के शेड पसंद आते है। जैसा कि निष्कर्ष में निकला है पीले रंग के उपरंग क्रीम, बादामी, हल्का पीला, और लैमन पीला पसंद किया गया है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. *अग्रवाल एवं पाण्डे सामाजिक शोध, आगरा बुक स्टोर, पृष्ठ–1।*
2. *चौधरी वेदवती एवं पाटनी मंजू, वस्त्र एवं परिधान, प्रकाशन, वस्त्र स्टार पब्लिशर्स।*
3. *पाटनी डॉ. मंजू शर्मा, डॉ. ललिता, ग्रहप्रबंध प्रकाशक, स्टार पब्लिकेशन्स।*
4. *हर रंग कुछ कहता है दैनिक भास्कर समाचार पत्र 2015।*
5. *शैरी डॉ. श्रीमती जी.पी. गृह–व्यवस्था एवं ग्रह कला, प्रकाशक, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा।*
6. *"Color and Your Personality Define Your Choice"*
   Hindustan times, news paper 2014
7. *गुप्ता बी. एन. साख्यिकी साहित्य भवन, आगरा,*
8. *शर्मा, लाकेश्वरी एवं शर्मा चन्द्रकान्ता वस्त्र विज्ञान, एवं परिधान, स्वास्तिक प्रकाशन, अस्पताल मार्ग, आगरा,*
9. *शर्मा, डॉ. करूणा, गृहप्रबंधक एवं ग्रहसज्जा (पारिवारिक संसाधन प्रबंध) पब्लिशर्स*